N.E.W. SEMINARY व्याख्यान सामग्री

नहूम और हबक्कूक: परमेश्वर की दया और न्याय

पास्टर हून किम, 20 अक्टूबर 2026, नहूम 1:1

पास्टर हून किम ईसा पूर्व सातवीं शताब्दी के भविष्यद्वाणी साहित्य का अध्ययन करते हैं, जिसमें वे नीनवे के प्रति योना की अटूट दया और नहूम के धर्मी प्रतिशोध के बीच के धर्मसैद्धांतिक संतुलन को उजागर करते हैं। वे परमेश्वर की वाचा संबंधी जलन, प्रकाशितवाक्य में प्रार्थना की सामर्थ्य, और ढहते हुए सांसारिक साम्राज्यों के बीच हबक्कूक के सच्चे भविष्यद्वाणिक संवाद की पड़ताल करते हैं।

N.E.W. Church के पास्टर हून किम की शिक्षा। AI की सहायता से अंग्रेज़ी से अनुवाद किया गया। पूरी जाँच से पहले 11 नवंबर 2026 को साझा किया गया।

सुनने, डाउनलोड करने और साझा करने के लिए निःशुल्क: newexodusseminary.org/hi/2026-10-20-new-nahum-1-nahum-and-habakkuk-gods-mercy-and/

एक नज़र में · शिक्षा के नोट्स · पवित्रशास्त्र मार्गदर्शिका · शब्द अध्ययन · स्थान और समयरेखा · शिक्षा की रूपरेखा · अध्ययन मार्गदर्शिका · प्रार्थना · दोहराने के प्रश्न · तीन मिनट में

स्लाइड

- स्लाइड 1: संकट के समय में एक शरणस्थान
- स्लाइड 2: प्रार्थनाएं और ईश्वरीय न्याय
- स्लाइड 3: अनुग्रह और न्याय के प्रश्न
- स्लाइड 4: शांति का सुसमाचार
- स्लाइड 101: छोटे भविष्यद्वक्ताओं के मुख्य विषय
- स्लाइड 103: अश्शूर द्वारा उत्तरी इस्राएल की बंधुआई
- स्लाइड 104: नीनवे नगर
- स्लाइड 105: जलन रखने वाला और बदला लेने वाला परमेश्वर
- स्लाइड 109: योना और नहूम की तुलना
- स्लाइड 112: सातवीं शताब्दी के भविष्यद्वक्ता
- स्लाइड 113: नहूम और छोटे भविष्यद्वक्ता
- स्लाइड 117: नहूम और प्रकाशितवाक्य
- स्लाइड 118: छोटे भविष्यद्वक्ताओं के मुख्य विषय
- स्लाइड 119: सातवीं सदी के भविष्यद्वक्ता

- स्लाइड 120: फ़ारसी साम्राज्य का विस्तार
- स्लाइड 121: फ़ारसी साम्राज्य का उदय

एक नज़र में

एक नज़र में: सूची की बुनियादी बातें: नहूम और हबक्कूक

- **शीर्षक:** सूची की बुनियादी बातें: नहूम और हबक्कूक
- **दिनांक:** 20 अक्टूबर, 2026
- **मुख्य अंश:** नहूम 1:1
- **उपदेशक/शिक्षक:** पास्टर हून किम (N.E.W. Church)

मूल सत्य

संप्रभु परमेश्वर, जो पश्चाताप करनेवालों पर निरंतर दया दिखाता है, घमंडी अत्याचारियों पर धर्मी और वाचा के अनुसार प्रतिशोध भी लेता है, और अपने सताए हुए बचे हुए लोगों को बुलाता है कि वे उसमें शरण लें और बदलती हुई वैश्विक व्यवस्था के बीच भविष्यद्वाणिक विश्वास से जीवित रहें।

सारांश

इस व्याख्यान में, पास्टर हून किम ईसा पूर्व सातवीं शताब्दी के भविष्यद्वाणी साहित्य का अध्ययन करते हैं, और हबक्कूक का परिचय देने से पहले योना और नहूम के बीच धर्मसैद्धांतिक पूरक संतुलन पर ध्यान केंद्रित करते हैं। नहूम में नीनवे के विरुद्ध परमेश्वर का न्याय अपने लोगों के प्रति उसकी वाचा संबंधी जलन पर आधारित है, जो यह दर्शाता है कि ईश्वरीय क्रोध कोई मनमाना गुस्सा नहीं बल्कि धर्मी न्याय है। योना के अनुग्रह संबंधी प्रश्न की तुलना नहूम के न्याय संबंधी प्रश्न से करते हुए, पास्टर किम दिखाते हैं कि सताए हुए पवित्र लोगों की प्रार्थनाएँ इतिहास में परमेश्वर के संप्रभु हाथ को सीधे कार्य में लाती हैं, जो प्रकाशितवाक्य के चित्रों में अपने चरम पर पहुँचती हैं। जैसे-जैसे सांसारिक साम्राज्यों का उत्थान और पतन होता है, बचे हुए लोगों को भविष्यद्वाणिक कल्पना बनाए रखनी चाहिए, परमेश्वर के सामने ईमानदारी से प्रश्न रखने चाहिए, और उसके विश्वासयोग्य उद्धार पर भरोसा करना चाहिए।

मुख्य भाग

1. **सातवीं शताब्दी के भविष्यद्वक्ताओं की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:** ईसा पूर्व 600 के दशक के भू-राजनीतिक परिवर्तनों, अश्शूर के पतन, और बाइबल की भविष्यद्वाणी आधुनिक वैश्विक उथल-पुथल की व्याख्या कैसे करती है, इसकी रूपरेखा।
2. **परमेश्वर की जलन और ईश्वरीय प्रतिशोध (नहूम 1):** ईश्वरीय न्याय की आधारशिला के रूप में वाचा संबंधी जलन, सताए हुए पवित्र लोगों के लिए परमेश्वर के प्रतिशोध की सांत्वना, और प्रकाशितवाक्य में

प्रार्थना की सामर्थ्य।

3. **योना और नहूम: दया और न्याय का संतुलन:** योना के समय नीनवे के पश्चाताप और नहूम के समय उसके घमंड भरे विनाश के बीच विषमता, जो परमेश्वर के अपरिवर्तनीय पवित्र स्वभाव को उजागर करती है।
4. **बदलती हुई विश्व व्यवस्था और बचे हुए लोगों का दृष्टिकोण:** सांसारिक साम्राज्यों का परिवर्तन, नहूम का श्रव्य-दृश्य काव्य, और एक अत्याचारी के पतन का शुभ समाचार (*euangelion*)।
5. **हबक्कूक का परिचय: बाबुल और एदोमियों पर न्याय:** भविष्यद्वाणिक विलाप, परमेश्वर के सम्मुख सच्चे प्रश्न उठाना, और साम्राज्य के पतन के दौरान विश्वास से जीने वाले धर्मी लोगों का दृष्टिकोण।

शिक्षा के नोट्स

अध्ययन नोट्स: सूची की बुनियादी बातें: नहूम और हबक्कूक

1. ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

- **सातवीं शताब्दी का भू-राजनीतिक बदलाव:** नहूम, हबक्कूक और सपन्याह की भविष्यद्वाणी की सेवकाइयाँ विश्व की महाशक्तियों के एक बड़े बदलाव के दौरान संचालित हुईं ।
- **अश्शूरी साम्राज्य का घटनाक्रम:**
- 722 ईसा पूर्व में, नव-अश्शूरी साम्राज्य ने उत्तरी इस्राएल को नष्ट कर दिया, उसके नागरिकों को बंधुवाई में ले गया और सामरिया में अन्य जातियों को बसा दिया।
- 701 ईसा पूर्व में, राजा सन्हेरीब ने दक्षिणी यहूदा पर आक्रमण किया और यरूशलेम की घेराबंदी की। राजा हिजकिय्याह ने प्रार्थना में यहोवा की खोज की (यशायाह 37), जिसके परिणामस्वरूप ईश्वरीय छुटकारा मिला, सन्हेरीब पीछे हट गया, और बाद में नीनवे में उसकी हत्या कर दी गई।
- इस असफल घेराबंदी के बाद, अश्शूरी साम्राज्य धीरे-धीरे कमजोर हो गया, और उसे बाबुल, एलाम और मादै के संयुक्त हमलों का सामना करना पड़ा।
- **बाबुल का उदय:** जैसे ही अश्शूर का पतन हुआ, नबूकदनेस्सर के अधीन नव-बाबुल साम्राज्य का तेजी से विस्तार हुआ, और अंततः उसने 586 ईसा पूर्व में यरूशलेम पर विजय प्राप्त की।
- **फ़ारसी साम्राज्य का विस्तार:** इसके बाद की छठी शताब्दी ईसा पूर्व में, कुस्रू महान के अधीन फ़ारसी साम्राज्य ने मादै (550 ईसा पूर्व), लूद्दिया (546 ईसा पूर्व), और बाबुल (539 ईसा पूर्व) पर विजय प्राप्त की, जिससे ईश्वरीय संप्रभुता के तहत मानव साम्राज्यों के निरंतर तख्तापलट का प्रदर्शन हुआ।

2. स्थान और भूगोल

- **नीनवे:** उत्तरी इराक में दजला नदी के पूर्वी तट पर स्थित ।

- नीनवे एक असाधारण रूप से सुदृढ़ प्राचीन महानगर था, जिसमें बाहरी दीवारें, आंतरिक जल-द्वार, और खोसर तथा दजला नदियों से भरी जाने वाली खाइयाँ थीं।
- *भौगोलिक विडंबना:* रक्षात्मक सुरक्षा के लिए तैयार किया गया जटिल जल-तंत्र और खाइयाँ अंततः नीनवे के पतन का कारण बनीं, जब भीषण बाढ़ के पानी ने नगर के फाटकों को तोड़ दिया, जिससे नहूम के पानी से जुड़े रूपक पूरे हुए।
- **बाबुल और क्षेत्रीय शक्तियाँ:** दक्षिणी इराक में फरात नदी के किनारे स्थित; नीनवे को नष्ट करने के लिए मादियों (आधुनिक ईरान) के साथ गठबंधन किया।

3. मूल भाषा की अंतर्दृष्टि

- **Euangelion (*εὐαγγέλιον*):**
- वैचारिक रूप से नहूम 1:15 में प्रकट होता है ("शुभ समाचार सुनाने वाले के पाँव [IRV]")।
- पास्टर किम इसे यूनानी-रोमी और प्राचीन निकट पूर्व की उस प्रथा से जोड़ते हैं जहाँ शाही दूत पूरे साम्राज्य में एक आधिकारिक घोषणा (*euangelion*) लाते थे, जिसमें किसी नए शासक के राज्यारोहण, निर्णायक सैन्य विजय, या साम्राज्यवादी शांति की स्थापना की घोषणा की जाती थी।
- मरकुस मरकुस 1:1 में इसी स्थापित शब्द को अपनाता है, और कैसर के बजाय यीशु मसीह को परमेश्वर का सच्चा पुत्र और संपूर्ण सृष्टि का विजेता घोषित करके साम्राज्यवादी प्रचार को चुनौती देता है।

4. आत्मिक सत्य और अनुप्रयोग

- **ईश्वरीय जलन का वाचा संबंधी आधार (नहूम 1:2):**
- परमेश्वर का प्रतिशोध वैवाहिक वाचा संबंधी जलन (*qanna*) में निहित है। परमेश्वर इस्राएल से वैसा ही संबंध रखता है जैसा एक पति अपनी पत्नी या मंगेतर से रखता है।
- अश्शूर के विरुद्ध प्रतिशोध कोई अनियंत्रित द्वेष नहीं है; यह एक धर्मी पति द्वारा अपनी प्रिय दुल्हन को क्रूर अत्याचारियों से बचाना है।
- **योना और नहूम का धर्मशास्त्रीय संतुलन:**
- *योना:* परमेश्वर की अटूट दया (*chesed*) पर बल देता है। नीनवे को चेतावनी मिली, उसने पश्चाताप किया, और न्याय रोक दिया गया। इसका समापन अनुग्रह के एक प्रश्न के साथ होता है (योना 4:11)।
- *नहूम:* परमेश्वर के धर्मी न्याय पर बल देता है। सौ साल बाद, नीनवे फिर से अनियंत्रित घमंड और हिंसा की ओर लौट गया। बिना किसी उपाय के न्याय किया गया। इसका समापन न्याय के एक प्रश्न के साथ होता है (नहूम 3:19)।
- परमेश्वर का स्वभाव एक समान है, अन्यजातीय देवताओं की तरह मनमाना नहीं। वह पूर्ण प्रमाणिक न्याय के साथ कार्य करता है, जब लोग पश्चाताप करते हैं तो क्रोध को रोकता है और जब विद्रोह गहरा जाता है तो क्रोध उंडेलता है।
- **दृश्य-श्रव्य कल्पना के माध्यम से भविष्यद्वाणीपूर्ण कल्पना:**

- नहूम गतिशील संवेदी प्रभावों का उपयोग करता है: दृश्य रंग (नहूम 2:2–3 में लाल ढालें, किरमिजी वस्त्र, रथों की चमकती धातु) और ध्वन्यात्मक विवरण (नहूम 3:2–3 में कोड़ों की फटकार, पहियों की खड़खड़ाहट, सरपट दौड़ते खुर)।
- इस काव्यात्मक चित्रण का उद्देश्य सताए गए विश्वासियों के हृदयों में परमेश्वर के आसन्न न्याय का वास्तविक आश्वासन जगाना है।
- **सांसारिक घमंड का उलटना (नहूम 2:11–13):**
- नीनवे खुद को सिंहों की एक अजेय माँद समझकर घमंड करता था, जो विजित जातियों का शिकार करती थी। परमेश्वर ने नीनवे के विरुद्ध होने की घोषणा की, उसके रथों को भस्म कर दिया और उसके सिंहों को भूखा मार दिया, जिससे सांसारिक साम्राज्यों के अंतिम पतन का प्रदर्शन हुआ।
- **आत्मिक युद्ध और प्रार्थना की कार्यप्रणाली (प्रकाशितवाक्य 6 और 8):**
- पाँचवीं मुहर के अंतर्गत पवित्र लोग धर्मी न्याय के लिए पुकारते हैं (प्रकाशितवाक्य 6:9–11)।
- प्रकाशितवाक्य 8:3–5 में, सोने की वेदी पर चढ़ाया गया धूप परमेश्वर के सभी पवित्र लोगों की प्रार्थनाओं को दर्शाता है। जब इसे पृथ्वी पर फेंका जाता है, तो ये प्रार्थनाएँ ब्रह्मांडीय न्यायों को सक्रिय करती हैं।
- वास्तविक समय में विश्वासियों द्वारा की गई प्रार्थनाएँ स्वर्गीय सिंहासन कक्ष तक पहुँचती हैं और इतिहास में परमेश्वर के न्याय और छुटकारे के निष्पादन को सीधे प्रभावित करती हैं।
- **हबक्कूक में भविष्यद्वाणीपूर्ण संवाद:**
- बाइबल आधारित प्रार्थना सच्चे विलाप और कठिन प्रश्नों की अनुमति देती है (हबक्कूक 1:1–4, 13)।
- हबक्कूक यहूदा के आंतरिक भ्रष्टाचार के प्रति परमेश्वर की सहनशीलता पर सवाल उठाता है, और बाद में सवाल करता है कि एक पवित्र परमेश्वर यहूदा को दंड देने के लिए अधिक दुष्ट अन्यजातियों (बाबुल) का उपयोग कैसे कर सकता है।
- जब परमेश्वर सच्चे प्रश्नों का उत्तर देता है, तो प्रकाशन प्रकट होता है, जो नैतिक और धर्मशास्त्रीय असमंजस के बीच धर्मियों को विश्वास से जीने की सामर्थ्य देता है।

पवित्रशास्त्र मार्गदर्शिका

शास्त्र मार्गदर्शिका: सूची की बुनियादी बातें: नहूम और हबक्कूक

शास्त्र तालिका

संदर्भ	किस प्रकार उपयोग किया गया	कहाँ	पास्टर किम ने इससे क्या निकाला	विश्वसनीयता
नहूम 1:1	पढ़ा गया / संकेत दिया गया	सातवीं सदी के भविष्यद्वक्ताओं की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि	एक ऐतिहासिक, काव्यात्मक भविष्यवाणी के रूप में नीनवे के विषय में भारी बोझ और दर्शन।	उच्च
नहूम 1:2	पढ़ा गया	परमेश्वर की जलन और ईश्वरीय बदला	परमेश्वर का क्रोध और बदला इस्राएल के साथ उनकी वाचा के संबंध में स्थापित है, जैसे एक पति अपनी दुल्हन की रक्षा करता है।	उच्च
नहूम 1:7	पढ़ा गया	परमेश्वर की जलन और ईश्वरीय बदला	संकट के समय परमेश्वर एक दृढ़ गढ़ हैं; जो लोग उन पर भरोसा रखते हैं, वे उन्हें सच्चाई से जानते हैं और उनकी रक्षा करते हैं।	उच्च
प्रकाशितवाक्य 6:9–11	पढ़ा गया	परमेश्वर की जलन और ईश्वरीय बदला	पाँचवीं मुहर के नीचे की आत्माएँ पृथ्वी पर परमेश्वर के बदले और धर्मी न्याय के लिए पुकारती हैं।	उच्च
प्रकाशितवाक्य 8:3–5	पढ़ा गया	परमेश्वर की जलन और ईश्वरीय बदला	पवित्र लोगों की प्रार्थनाएँ परमेश्वर की वेदी के सामने पहुँचती हैं और पृथ्वी पर आग फेंके जाने के द्वारा उनका उत्तर दिया जाता है, जिससे विश्व इतिहास बदल जाता है।	उच्च
योना 4:11	पढ़ा गया	योना और नहूम: दया और न्याय का संतुलन	योना की पुस्तक का अंत नीनवे पर परमेश्वर के निरंतर अनुग्रह और करुणा के प्रश्न के साथ होता है।	उच्च
नहूम 3:19	पढ़ा गया	योना और नहूम: दया और न्याय का संतुलन	नहूम की पुस्तक का अंत नीनवे के असाध्य घाव और अंतहीन क्रूरता पर अटल न्याय के एक प्रश्न के साथ होता है।	उच्च
नहूम 1:15	पढ़ा गया	बदलती विश्व व्यवस्था और बचे हुओं का रवैया	अत्याचारी के विनाश की घोषणा यहूदा के लिए शांति और पुनर्स्थापना का सुसमाचार (*euangelion*) है।	उच्च
नहूम 2:2–3	पढ़ा गया	बदलती विश्व व्यवस्था और बचे	जीवंत दृश्य चित्र (लाल ढालें, लाल वस्त्र, चमकते हुए रथ) जो नीनवे के	उच्च

संदर्भ	किस प्रकार उपयोग किया गया	कहाँ	पास्टर किम ने इससे क्या निकाला	विश्वसनीयता
		हुओं का रवैया	विनाश की निश्चितता को दर्शाते हैं।	
नहूम 3:2–3	पढ़ा गया	बदलती विश्व व्यवस्था और बचे हुओं का रवैया	श्रव्य प्रभाव (कोड़ों की फटकार, पहियों की खड़खड़ाहट, सरपट दौड़ते घोड़े) जो न्याय के विषय में भविष्यद्वाणी की कल्पना को सुदृढ़ करते हैं।	उच्च
नहूम 2:11–13	पढ़ा गया	बदलती विश्व व्यवस्था और बचे हुओं का रवैया	नीनवे, जो एक भयानक सिंहों की मांद था, लज्जित और बर्बाद हो जाता है, जिससे सांसारिक सत्ता के ढाँचे उलट जाते हैं।	उच्च
हबक्कूक 1:1–4	पढ़ा गया	हबक्कूक का परिचय	यहूदा में अनियंत्रित घरेलू हिंसा, कलह और पंगु हो चुके न्याय के विषय में हबक्कूक की पहली ईमानदार शिकायत।	उच्च
हबक्कूक 1:13	पढ़ा गया	हबक्कूक का परिचय	हबक्कूक की दूसरी शिकायत, जिसमें यह सवाल उठाया गया है कि पवित्र परमेश्वर उन लोगों को दंड देने के लिए, जो उनसे अधिक धर्मी हैं, क्रूर बाबुलियों का उपयोग कैसे कर सकते हैं।	उच्च
यशायाह 37	संकेत दिया गया	सातवीं सदी के भविष्यद्वक्ताओं की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि	राजा हिजकिय्याह की प्रार्थना, यरूशलेम का उद्धार, और सन्हैरीब की विफलता तथा बाद में उसकी हत्या।	उच्च
मत्ती 5:39	संकेत दिया गया	परमेश्वर की जलन और ईश्वरीय बदला	दूसरा गाल आगे करना इस आश्वासन पर आधारित है कि अंतिम बदला केवल और केवल परमेश्वर का है।	उच्च
ओबद्याह 1–21	संकेत दिया गया	हबक्कूक का परिचय	इस्राएल के भाई देश एदोम का न्याय, जिसने अपने घमंड के कारण दुष्टों का भाग्य साझा किया।	उच्च

संदर्भ	किस प्रकार उपयोग किया गया	कहाँ	पास्टर किम ने इससे क्या निकाला	विश्वसनीयता
सपन्याह 1:7; 3:8, 17	उद्धृत / भावानुवाद किया गया	बदलती विश्व व्यवस्था और बचे हुओं का रवैया	बचे हुए लोगों को शांत रहने, यहोवा की बाट जोहने और आनन्दित होने के लिए बुलाना, क्योंकि परमेश्वर न्याय और प्रेम में आगे बढ़ते हैं।	उच्च
हबक्कूक 2:4, 20	संकेत दिया गया	बदलती विश्व व्यवस्था और बचे हुओं का रवैया	धर्मी अपने विश्वास के द्वारा जीवित रहेगा, जबकि पृथ्वी को अपने पवित्र मन्दिर में विराजमान यहोवा के सम्मुख शांत रहना चाहिए।	उच्च
प्रकाशितवाक्य 17–19	संकेत दिया गया	बदलती विश्व व्यवस्था और बचे हुओं का रवैया	बाबुल का पतन, ईश्वरीय न्याय की पुष्टि, और दुल्हन का अंतिम उद्धार।	उच्च

बाइबलीय और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

सातवीं सदी ईसा पूर्व प्राचीन निकट पूर्व में भू-राजनीतिक उथल-पुथल का एक अत्यंत महत्वपूर्ण दौर था। नव-अश्शूरी साम्राज्य, जिसने 722 ईसा पूर्व में इस्राएल के उत्तरी राज्य को बेरहमी से नष्ट कर दिया था और 701 ईसा पूर्व में सन्हैरीब के अधीन यरूशलेम की घेराबंदी की थी, अशूरबनिपाल के शासनकाल के बाद तेज़ी से पतन की ओर अग्रसर हुआ। जैसे-जैसे नीनवे की शक्ति घटती गई, मादियों और बाबुलियों की संयुक्त सेनाओं ने उसे घेर लिया, जिसका अंत 612 ईसा पूर्व में नीनवे के विनाशकारी पतन के साथ हुआ। नहूम ने अश्शूर के प्रभुत्व के अंतिम दौर में सेवकाई की, और इस क्रूर महानगर पर परमेश्वर के प्रतिफल की घोषणा की। इसके तुरंत बाद, नबूकदनेस्सर के अधीन नव-बाबुल साम्राज्य का उभार हुआ, जिसने दक्षिणी यहूदा को खतरे में डाल दिया। इसके कारण 586 ईसा पूर्व में यहूदा के पतन से पहले, हबक्कूक को ईश्वरीय ताड़ना के एक साधन के रूप में एक बर्बर साम्राज्य का उपयोग करने के परमेश्वर के अगम्य विधान से जूझना पड़ा।

धर्मविज्ञानीय संबंध और व्यावहारिक अनुप्रयोग

पास्टर किम इन भविष्यद्वाणी के ग्रंथों को ईश्वरीय स्वभाव के दो मुख्य स्तंभों के माध्यम से एक साथ जोड़ते हैं: निरंतर दया और धर्मी न्याय। योना पश्चाताप करने वाले पापियों के प्रति दया को उजागर करता है, जबकि नहूम परमेश्वर की वाचा संबंधी जलन को प्रदर्शित करता है जो अपनी प्रजा पर होने वाले अत्याचार का बदला लेती है। परमेश्वर का क्रोध कोई भावनात्मक विस्फोट नहीं है, बल्कि अपनी वाचा की प्रजा के प्रति उनकी वैवाहिक प्रतिबद्धता पर आधारित धर्मी न्याय का निष्पादन है। नए नियम में, इस बदले की आशा अंतिम दिनों के संदर्भ में की गई है: मसीह ने विश्वासियों के लिए क्रूस पर परमेश्वर के क्रोध को सहा, जबकि सांसारिक साम्राज्यों के विरुद्ध अंतिम ईश्वरीय प्रतिफल को इतिहास के अंत तक के लिए टाल दिया गया है। इस बीच, विश्वासी व्यक्तिगत प्रतिशोध नहीं लेते; बल्कि, वे प्रार्थना के माध्यम से आत्मिक युद्ध लड़ते हैं। प्रकाशितवाक्य 6 और 8 के अनुसार,

पवित्र लोगों की प्रार्थनाएँ परमेश्वर के सिंहासन के सामने धूप के समान उठती हैं, और मानव इतिहास की दिशा को बदलने के लिए सीधे उनके हाथ को हिलाती हैं।

भूल-चूक और जाँच

- **सातवीं सदी ईसा पूर्व का काल-निर्धारण:** पास्टर किम ने कहा, "ये सातवीं सदी के भविष्यद्वक्ता हैं। इसका अर्थ है यीशु के आने से 700 वर्ष पहले।" कालक्रम के अनुसार, सातवीं सदी ईसा पूर्व 699–600 ईसा पूर्व (मसीह से लगभग 600–650 वर्ष पूर्व) को समाहित करती है, जबकि मसीह से 700 वर्ष पूर्व का संबंध आठवीं सदी ईसा पूर्व से है।
- **नीनवे की भौगोलिक स्थिति:** पास्टर किम ने इराक कहने से पहले कहा कि नीनवे आधुनिक समय के दक्षिणी इराक या सीरिया में स्थित है। भौगोलिक दृष्टि से, नीनवे उत्तरी इराक में (दजला नदी पर आधुनिक मोसुल के निकट) स्थित है, जबकि प्राचीन बाबुल दक्षिणी इराक में स्थित था।
- **योना का पश्चाताप संबंधी आदेश:** पास्टर किम ने टिप्पणी की कि नीनवे ने "राजा से लेकर कुत्तों तक" पश्चाताप किया। यद्यपि योना 3:7–8 में यह दर्ज है कि राजा ने मनुष्यों के साथ-साथ पशुओं और झुंडों को भी उपवास रखने और टाट ओढ़ने की आज्ञा दी थी, परंतु बाइबल के पाठ में कुत्तों का विशेष रूप से उल्लेख नहीं है।
- **नहूम और हबक्कूक के बीच का अंतराल:** पास्टर किम ने उल्लेख किया कि हबक्कूक और सपन्याह ने यरूशलेम के पतन से पहले "लगभग 100 वर्ष बाद" सेवकाई की। नीनवे का पतन 612 ईसा पूर्व में हुआ था और यरूशलेम का पतन 586 ईसा पूर्व में हुआ था, जो 26 वर्षों का अंतराल है, यद्यपि नहूम की सेवकाई कई दशक पहले (लगभग 660–650 ईसा पूर्व) शुरू हुई हो सकती है।
- **प्रकाशितवाक्य का संदर्भ:** बाबुल के विरुद्ध प्रतिशोध पर चर्चा करते समय पास्टर किम ने "प्रकाशितवाक्य अध्याय 8, 17 से 19" का संदर्भ दिया। प्रकाशितवाक्य 8:3–5 का पाठ सोने के धूपदान और प्रार्थनाओं का वर्णन करता है, जबकि बाबुल का पतन और बदला प्रकाशितवाक्य के अध्याय 17 से 19 में आता है।

शब्द अध्ययन

शब्द अध्ययन: सूची की बुनियादी बातें: नहूम और हबक्कूक

1. Euangelion (*εὐαγγέλιον*)

- **सिखाया गया शब्द:** *euangelion*
- **भाषा:** यूनानी
- **संदर्भित अंश:** नहूम 1:15 (मरकुस 1:1 के संबंध में संकेत दिया गया)
- **खंड का शीर्षक:** न्याय का सुसमाचार (नहूम 1:15)

- **पास्टर किम द्वारा समझाया गया अर्थ:** यह शब्द "शुभ समाचार" या "सुसमाचार" को संदर्भित करता है। प्राचीन निकट पूर्व और ग्रीको-रोमन साम्राज्य के संदर्भों में, यह एक निर्णायक लड़ाई के बाद विभिन्न क्षेत्रों में भेजी जाने वाली एक आधिकारिक उद्घोषणा को दर्शाता था। संदेशवाहक जीत, पुरानी सत्ता के तख्तापलट, और एक नए सम्राट के आगमन या शांति के एक नए युग की घोषणा करते थे। पास्टर किम ने समझाया कि मरकुस 1:1 ने इस सांसारिक और भविष्यद्वाणी के मुहावरे को यह घोषणा करने के लिए अपनाया कि रोमी कैसर के बजाय, यीशु मसीह परमेश्वर के सच्चे पुत्र हैं जो सच्चे राज्य की शुरुआत कर रहे हैं। नहूम 1:15 में, "सुसमाचार" यह घोषणा है कि क्रूर अत्याचारी नीनवे टूट चुका है, जिससे यहूदा के लिए छुटकारा आता है।

(नोट: पास्टर किम ने इस व्याख्यान के दौरान विस्तृत इब्रानी शाब्दिक विश्लेषण प्रदान नहीं किया, बल्कि मुख्य रूप से उद्घोषणा संबंधी सुसमाचार की घोषणा के वैचारिक और ऐतिहासिक अनुप्रयोग पर ध्यान केंद्रित किया)।

स्थान और समयरेखा

स्थान और समयरेखा: सूची की बुनियादी बातें: नहूम और हबक्कूक

स्थान

स्थान का नाम	वहाँ क्या हुआ, जैसा सिखाया गया	आधुनिक स्थान	संदर्भ
नीनवे	नव-असीरियन साम्राज्य की राजधानी; योना के समय पश्चाताप करने के बाद बचाई गई, लेकिन पश्चाताप न करने वाली क्रूरता के कारण नहूम की भविष्यवाणी के अनुसार बाढ़ और संयुक्त सेनाओं द्वारा नष्ट कर दी गई।	उत्तरी इराक, टाइग्रिस नदी के पूर्वी तट पर, आधुनिक मोसुल के सामने ।	नहूम 1:1; 2:8; 3:19; योना 4:11
टाइग्रिस नदी	नीनवे की सीमा से लगी नदी; इसके आस-पास की खाइयाँ और रक्षात्मक नहरें नीनवे के जलमग्न होने और विनाश का साधन बन गईं।	पूर्वी तुर्की से इराक होते हुए फारस की खाड़ी में बहती है।	नहूम 2:6
फरात नदी	मेसोपोटामिया की प्रमुख नदी जिसके किनारे बाबुल शहर और साम्राज्य केंद्रित थे।	पूर्वी तुर्की से सीरिया और इराक होते हुए बहती है।	प्रतिलिपि 1:24
बाबुल	दक्षिणी इराक में उभरती हुई मेसोपोटामिया की शक्ति; नीनवे को उखाड़ फेंकने के लिए मादियों और एलामियों के साथ जुड़ी; बाद में दक्षिणी यहूदा का न्याय करने के लिए परमेश्वर द्वारा उपयोग की गई।	दक्षिणी इराक, आधुनिक बगदाद से लगभग 85 किमी दक्षिण में।	हबक्कूक 1:6

स्थान का नाम	वहाँ क्या हुआ, जैसा सिखाया गया	आधुनिक स्थान	संदर्भ
मादी / एलाम	पूर्व के सहयोगी राष्ट्र जो असीरियन साम्राज्य की सैन्य घेराबंदी और पतन में बाबुलियों के साथ शामिल हुए।	आधुनिक ईरान।	प्रतिलिपि 1:24
यरूशलेम	दक्षिणी यहूदा की राजधानी; हिजकिय्याह के शासनकाल के दौरान सन्हेरीब की असीरियन सेना से चमत्कारिक रूप से बची, लेकिन बाद में 586 ईसा पूर्व में बाबुल द्वारा घेर ली गई और नष्ट कर दी गई।	यरूशलेम, आधुनिक इस्राएल / वेस्ट बैंक।	यशायाह 37; 2 राजा 25
सामरिया	उत्तरी इस्राएल की राजधानी; 722 ईसा पूर्व में असीरियन साम्राज्य द्वारा जीती गई और नष्ट कर दी गई, जिसके कारण उत्तरी बंधुआई हुई।	वेस्ट बैंक, फिलिस्तीनी क्षेत्र।	2 राजा 17

समयरेखा

दी गई तिथि	घटना	संदर्भ
लगभग 841 ईसा पूर्व	उत्तरी इस्राएल का राजा येहू असीरिया के राजा शल्मनेसेर तृतीय को कर देता है (ब्लैक ओबिलिस्क पर चित्रित)।	दृश्य 102
लगभग 760 ईसा पूर्व	योना नीनवे के विरुद्ध भविष्यवाणी करता है; नीनवे पश्चाताप करता है और न्याय टल जाता है।	दृश्य 109
722 ईसा पूर्व	नव-असीरियन साम्राज्य उत्तरी इस्राएल (सामरिया) को जीतता है, उसकी आबादी को बंधुआई में ले जाता है और विदेशियों को वहाँ बसाता है।	2 राजा 17; दृश्य 103
701 ईसा पूर्व	सन्हेरीब की असीरियन सेना यहूदा पर आक्रमण करती है, यरूशलेम को घेरती है, हिजकिय्याह की प्रार्थना के बाद असफल होती है, और नीनवे लौट जाती है जहाँ उसकी हत्या कर दी जाती है।	यशायाह 37; प्रतिलिपि 1:12
लगभग 670–660 ईसा पूर्व	भविष्यद्वक्ता नहूम नीनवे के पूर्ण तख्तापलट और विनाश की घोषणा करने वाला न्याय का वचन देता है।	नहूम 1:1; दृश्य 109, 112
612 ईसा पूर्व [निहित]	बाबुल और मादी की संयुक्त सेनाओं द्वारा नीनवे का पतन और विनाश।	प्रतिलिपि 1:24
586 ईसा पूर्व	बाबुल के राजा नबूकदनेस्सर द्वारा दक्षिणी यहूदा और यरूशलेम का पतन और विनाश।	प्रतिलिपि 1:33; दृश्य 119
550 ईसा पूर्व	कुस्रू महान मादी साम्राज्य को जीतता है, जिससे फारसी साम्राज्य के विस्तार की शुरुआत होती है।	दृश्य 120, 121

दी गई तिथि	घटना	संदर्भ
546 ईसा पूर्व	कुस्रू महान लीडियाई साम्राज्य को जीतता है।	दृश्य 120, 121
539 ईसा पूर्व	कुस्रू महान बाबुल पर अधिकार करता है, जिससे नव-बाबुल साम्राज्य का अंत होता है।	दृश्य 120, 121
525 ईसा पूर्व	फारस का कैम्बिसेस द्वितीय मिस्र में साम्राज्यवादी विजय का विस्तार करता है।	दृश्य 120, 121
521 ईसा पूर्व	दारा प्रथम गद्दी पर बैठता है और पूरे फारसी साम्राज्य में आगे के क्षेत्रीय विस्तार को सुदृढ़ करता है।	दृश्य 120, 121

शिक्षा की रूपरेखा

शिक्षण रूपरेखा: कैटलॉग की बुनियादी बातें: नहूम और हबक्कूक

मुख्य अंश: नहूम 1:1–15; हबक्कूक 1:1–13
मुख्य विचार: वह संप्रभु परमेश्वर जो पश्चाताप करने वालों पर निरंतर दया दिखाता है, वह दुष्ट अत्याचारियों पर वाचा का धर्मी प्रतिशोध भी लेता है, और अपने विश्वासयोग्य बचे हुए लोगों को बुलाता है कि वे बदलते वैश्विक दौर के बीच उसके न्याय पर भरोसा रखें और भविष्यद्वाणी के विश्वास से जीवन बिताएँ।

पहला चरण: भू-राजनीतिक बदलाव और वाचा का पति

- **मुख्य शास्त्रवचन:** नहूम 1:2; यशायाह 37
- **शिक्षण बिंदु:** सातवीं शताब्दी ईसा पूर्व के भविष्यद्वक्ताओं ने विशाल भू-राजनीतिक बदलावों के दौरान सेवा की, जब क्रूर नया-अश्शूरी साम्राज्य (Neo-Assyrian Empire) पतन की ओर बढ़ने लगा था। नहूम यह प्रकट करता है कि परमेश्वर का भयानक क्रोध वैवाहिक वाचा की जलन में निहित है: परमेश्वर एक विश्वासयोग्य पति के रूप में खड़ा होता है जो एक हिंसक शिकारी के विरुद्ध अपनी सताई हुई दुल्हन की रक्षा करता है।
- **मुख्य अंतर्दृष्टि:** ईश्वरीय प्रतिशोध कोई भावनात्मक आत्म-नियंत्रण खोना नहीं है; यह धर्मी न्याय है जो परमेश्वर के पीड़ित लोगों को सांत्वना और निर्दोषता का प्रमाण प्रदान करता है।
- **दृश्य:** दृश्य 101 (छोटे भविष्यद्वक्ताओं के विषय), दृश्य 103 (अश्शूर के निर्वासन का नक्शा), दृश्य 104 (नीनवे नगर), दृश्य 105 (नहूम 1:2 शास्त्रवचन)।

दूसरा चरण: इतिहास में प्रार्थना की आत्मिक प्रक्रिया

- **मुख्य शास्त्रवचन:** नहूम 1:7; प्रकाशितवाक्य 6:9–11; प्रकाशितवाक्य 8:3–5

- **शिक्षण बिंदु:** जब विश्वासियों को उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है, तो उन्हें व्यक्तिगत बदला न लेने, बल्कि बदला परमेश्वर पर छोड़ देने की आज्ञा दी गई है। जैसा कि प्रकाशितवाक्य में पाँचवीं और सातवीं मुहर के अंतर्गत देखा गया है, परमेश्वर के लोगों की प्रार्थनाएँ धूप की तरह स्वर्गीय सिंहासन के कमरे में ऊपर उठती हैं और पृथ्वी पर फेंकी गई आग के द्वारा उनका उत्तर दिया जाता है।
- **मुख्य अंतर्दृष्टि:** वास्तविक समय में, एक स्थानीय कलीसिया की पुकार भरी प्रार्थनाएँ न्याय लागू करने और मानव इतिहास को बदलने के लिए परमेश्वर के संप्रभु हाथ को सक्रिय करती हैं।
- **दृश्य:** दृश्य 1 (संकट के समय में शरणस्थान), दृश्य 2 (प्रार्थनाएँ और ईश्वरीय न्यायदण्ड)।

तीसरा चरण: एक सदी का अंतर: निरंतर दया और निश्चित न्याय

- **मुख्य शास्त्रवचन:** योना 4:11; नहूम 3:19
- **शिक्षण बिंदु:** योना (लगभग 760 ईसा पूर्व) और नहूम (लगभग 660 ईसा पूर्व) नीनवे के प्रति परमेश्वर के अपरिवर्तनीय पवित्र चरित्र के दो पूरक पहलुओं को प्रस्तुत करते हैं। जब नीनवे ने पश्चाताप किया, तो परमेश्वर ने निरंतर दया दिखाई; जब नीनवे एक सदी बाद फिर से लगातार क्रूरता की ओर लौट गया, तो परमेश्वर ने अटल न्याय लागू किया।
- **मुख्य अंतर्दृष्टि:** परमेश्वर का चरित्र एक समान है, मनमौजी नहीं। योना की पुस्तक अनुग्रह के एक प्रश्न के साथ समाप्त होती है; नहूम की पुस्तक न्याय के एक प्रश्न के साथ समाप्त होती है।
- **दृश्य:** दृश्य 109 (योना और नहूम की तुलना), दृश्य 3 (अनुग्रह और न्याय के प्रश्न)।

चौथा चरण: काव्यात्मक भविष्यद्वाणी और पतन का सुसमाचार

- **मुख्य शास्त्रवचन:** नहूम 1:15; 2:2–3; 3:2–3
- **शिक्षण बिंदु:** नहूम नीनवे के पतन की घोषणा *euangelion* के रूप में करता है, जो साम्राज्यवादी बंधन से मुक्ति और स्थायी शांति का राजाज्ञा-संबंधी सुसमाचार है। नहूम भविष्यद्वाणी की कल्पना को जागृत करने और परमेश्वर के आसन्न न्यायदण्ड की निश्चितता की पुष्टि करने के लिए सजीव दृश्य रंगों (लाल वस्त्र पहने योद्धा, चमकते हुए रथ) और ध्वनियों (चाबुकों की फटकार, पहियों की खड़खड़ाहट) का उपयोग करता है।
- **मुख्य अंतर्दृष्टि:** सांसारिक शक्तियाँ जो अजेय सिंहों की मांद के समान घमंड करती हैं, वे परमेश्वर के संप्रभु आदेश से पूरी तरह उलट दी जाएँगी।
- **दृश्य:** दृश्य 112 (सातवीं शताब्दी के भविष्यद्वक्ता), दृश्य 113 (नहूम और छोटे भविष्यद्वक्ता), दृश्य 4 (शांति का सुसमाचार), दृश्य 115 (भविष्यद्वाणी के चित्र)।

पाँचवाँ चरण: हबक्कूक का भविष्यद्वाणी-संबंधी संवाद

- **मुख्य शास्त्रवचन:** हबक्कूक 1:1–4, 13; हबक्कूक 2:4

- **शिक्षण बिंदु:** जैसे ही अश्शूर का स्थान लेने के लिए बाबुली साम्राज्य का उदय हुआ, हबक्कूक ने सच्चाई से भरी भविष्यद्वाणी की प्रार्थना की, जिसमें उसने यहूदा में आंतरिक अन्याय और ताड़ना के साधन के रूप में दुष्ट बाबुल के हैरान कर देने वाले उपयोग के बारे में कठिन प्रश्न पूछे।
- **मुख्य अंतर्दृष्टि:** भविष्यद्वाणी की प्रार्थना मानवीय उलझन को छिपाती नहीं है; यह परमेश्वर के सामने सच्चे प्रश्न लाती है और संप्रभु प्रकाशन प्राप्त करती है। ढहते हुए साम्राज्यों के बीच, धर्मी अपने विश्वास के द्वारा जीवित रहेगा।
- **दृश्य:** दृश्य 119 (सातवीं शताब्दी की समय-रेखा), दृश्य 122 (हबक्कूक की शिकायत)।

समापन प्रतिक्रिया

कलीसिया का आह्वान करें कि वह व्यक्तिगत कड़वाहट को त्याग दे, धर्मी न्याय के लिए मध्यस्थता के द्वारा आत्मिक युद्ध में शामिल हो, और अपने विश्वास को उस अपरिवर्तनीय परमेश्वर में स्थिर रखे जो उन सभी के लिए शरणस्थान बना रहता है जो उस पर भरोसा रखते हैं।

अध्ययन मार्गदर्शिका

अध्ययन मार्गदर्शिका: कैटलॉग की बुनियादी बातें: नहूम और हबक्कूक

मूल सत्य

वह संप्रभु परमेश्वर जो पश्चाताप करने वालों पर निरंतर दया करता है, वह घमंडी अत्याचारियों पर वाचा का धर्मी प्रतिशोध भी लेता है, और अपने सताए हुए बचे हुए लोगों को बुलाता है कि वे उसमें शरण पाएँ और बदलते वैश्विक दौर के बीच भविष्यद्वाणी के विश्वास से जीवन बिताएँ।

मुख्य पद

“यहोवा भला है; संकट के दिन में वह दृढ़ गढ़ ठहरता है, और अपने शरणागतों की सुधि रखता है।”
नहूम 1:7 (IRV)

पृष्ठभूमि की बातें

1. **भू-राजनीतिक उथल-पुथल:** सातवीं शताब्दी ईसा पूर्व (600 ईसा पूर्व के दशक) के दौरान, प्राचीन निकट पूर्व ने महाशक्तियों के भारी फेरबदल का अनुभव किया। नया-अश्शूरी साम्राज्य, जिसने 722 ईसा पूर्व में उत्तरी इस्राएल पर विजय प्राप्त की थी और 701 ईसा पूर्व में यरूशलेम की घेराबंदी की थी, अशूरबानिपाल के शासनकाल के बाद अपरिवर्तनीय पतन में प्रवेश कर गया। बाबुल, मादी और एलाम की संयुक्त सेनाओं ने नीनवे की घेराबंदी की और 612 ईसा पूर्व में उस नगर को नष्ट कर दिया, जिससे नहूम की भविष्यद्वाणी पूरी हुई।

2. **वाचा की जलन (*Qanna*):** नहूम 1:2 में, परमेश्वर का क्रोध और बदला स्पष्ट रूप से उसकी वाचा की पहचान से जुड़ा हुआ है। शास्त्र के अनुसार, परमेश्वर अपनी वाचा के लोगों के साथ एक विश्वासयोग्य पति के रूप में संबंध रखता है। जब विदेशी साम्राज्य उसके लोगों का क्रूरता से शोषण करते हैं, तो ईश्वरीय प्रतिशोध अपनी दुल्हन की रक्षा के लिए हस्तक्षेप करने वाले एक पति की पवित्र और प्रेमपूर्ण प्रतिक्रिया होती है।
3. **घोषणात्मक सुसमाचार (*Euangelion*):** नहूम 1:15 "शुभसमाचार सुनानेवाले के पाँवों" की घोषणा करता है। प्राचीन निकट पूर्व और ग्रीको-रोमन काल में, *euangelion* का अर्थ किसी सैन्य विजय, अत्याचारी के पतन, या किसी नए शासक के राज्याभिषेक की आधिकारिक शाही घोषणा होता था। सुसमाचार के लेखकों ने बाद में इस शब्द को यीशु मसीह को सच्चे ब्रह्मांडीय राजा के रूप में घोषित करने के लिए अपनाया, जिसने बुराई को निर्णायक रूप से पराजित किया है।
4. **भविष्यद्वाणी का विलाप और प्रकाशन:** हबक्कूक यह स्पष्ट करता है कि सच्चे बाइबलीय विश्वास में निष्कपट विलाप भी शामिल है। भविष्यद्वक्ता यहूदा की आंतरिक हिंसा और न्यायदण्ड के साधन के रूप में दुष्ट बाबुल के उपयोग की नैतिक समस्या के संबंध में परमेश्वर से प्रश्न करता है। परमेश्वर यह प्रकट करते हुए उत्तर देता है कि सांसारिक घमंड अपने विनाश को स्वयं लाता है, परंतु "धर्मी अपने विश्वास के द्वारा जीवित रहेगा" (हबक्कूक 2:4)।

चर्चा के लिए प्रश्न

1. **वचन को समझना:** परमेश्वर को अपनी दुल्हन की रक्षा करने वाले एक विश्वासयोग्य पति के रूप में समझना, नहूम 1:2 में ईश्वरीय प्रतिशोध की भयानक भाषा के प्रति हमारे दृष्टिकोण को कैसे बदल देता है?
2. **विषयों की खोज करना:** योना (योना 4:11) और नहूम (नहूम 3:19) के अंत की तुलना करें। ये दोनों पुस्तकें मिलकर विरोधाभास के बजाय परमेश्वर के पवित्र चरित्र के सिद्ध संतुलन को कैसे प्रदर्शित करती हैं?
3. **शास्त्रवचनों को जोड़ना:** प्रकाशितवाक्य 6:9–11 और प्रकाशितवाक्य 8:3–5 के अनुसार, पृथ्वी पर पीड़ित विश्वासियों की प्रार्थनाएँ इतिहास में न्याय के ईश्वरीय क्रियान्वयन में कैसे भाग लेती हैं?
4. **भविष्यद्वाणी की कल्पना:** नहूम नीनवे के पतन का वर्णन करने के लिए सजीव संवेदी विवरणों (लाल ढालें, चाबुकों की फटकार, दौड़ते घोड़े, उजड़ी हुई सिंहों की मांद) का उपयोग करता है। यह "भविष्यद्वाणी की कल्पना" विकसित करना आज सांसारिक भ्रष्टाचार की प्रत्यक्ष ताकत से परे देखने में हमारी कैसे मदद करता है?
5. **व्यक्तिगत अनुप्रयोग:** हबक्कूक 1 में, जब ईश्वरीय कार्य मानवीय तर्क के विपरीत प्रतीत होते हैं, तो भविष्यद्वक्ता परमेश्वर के सामने स्पष्ट और निष्कपट प्रश्न लाता है। आपके समुदाय या राष्ट्र की ऐसी कौन सी कठिन परिस्थितियाँ हैं जिन्हें आपको भविष्यद्वाणी की प्रार्थना में सच्चाई से परमेश्वर के सम्मुख लाने और उसकी शरण पर भरोसा रखने का निर्णय लेने की आवश्यकता है?

फ़ोन के लिए सारांश (WhatsApp)

वह संप्रभु परमेश्वर जिसने योना के समय नीनवे पर निरंतर दया दिखाई थी, उसने नहूम के समय जब वे पुनः क्रूरता की ओर लौट गए, तो वाचा का धर्मी न्याय लागू किया। सच्चा विश्वास व्यक्तिगत बदला नहीं लेता, बल्कि साहसी प्रार्थनाएँ करता है जो स्वर्ग के सिंहासन को हिला देती हैं, और बदलते वैश्विक दौर के दौरान परमेश्वर में विश्राम पाता है। “यहोवा भला है; संकट के दिन में वह दृढ़ गढ़ ठहरता है, और अपने शरणागतों की सुधि रखता है।” (नहूम 1:7 · IRV)।

प्रार्थना

“सूची की बुनियादी बातें: नहूम और हबक्कूक” के साथ एक प्रार्थना

नहूम 1:1

हे सनातन सृजनहार और धर्मी न्यायी,
आप स्वर्गीय धाम में विराजमान हैं और इतिहास में अपने आप को प्रकट करते हैं।
आप उन झूठी मूर्तियों के समान नहीं हैं जिनका कोई स्थिर स्वभाव नहीं होता,
क्योंकि आप दयालु भी हैं और पवित्र परमेश्वर भी हैं।
आपका अटल प्रेम आकाश तक पहुँचता है,
आपकी अटूट दया मन फिरानेवालों को आँधी के बीच से बचा लेती है,
और आपका धर्मी क्रोध दुष्टों को बाढ़ की नाईं बहा ले जाता है।

आप अपनी वाचा के लोगों के जलन रखनेवाले पति हैं,
जो अपने निज लोगों की रक्षा करते हैं और उनका पलटा लेते हैं।
बदलते हुए साम्राज्यों की उथल-पुथल और हलचल पर आपका ही राज्य है।
आपके निश्चित न्याय के सामने, घमंडी गढ़ अपनी ही जल-नालियों में ढह जाते हैं,
और सांसारिक राजसी वैभव की सिंहों की मांद लज्जित की जाती है।
आप कल, आज और युगानुयुग विश्वासयोग्य बने रहते हैं,
संकट के समय में आप हमारे भले शरणस्थान हैं,
और उन सभी की सुधि लेते हैं जो आप पर भरोसा रखते हैं।

हम यह अंगीकार करते हैं कि एक समय हम आपके शत्रु थे,
और अपने पाप के कारण आपके प्रकोप के योग्य थे।
कितनी ही बार हम अविश्वासी योना के मार्ग पर चले हैं,
यह भूलकर कि उद्धार केवल आपका ही काम है,
या फिर नीनवे और एदोम के समान घमंड से भरकर हमने मन फिराने से इनकार किया है।
संकट के समय आपके न्याय पर संदेह करने
और अपने हाथ से बदला लेने की इच्छा रखने के लिए हमें क्षमा करें।
यीशु मसीह के द्वारा हम पर दया करें।

हम आपका धन्यवाद करते हैं कि जब हम आपके शत्रु ही थे,
तब आपने हमारे पाप के विरुद्ध अपना सारा प्रकोप यीशु मसीह पर उण्डेल दिया।
उसके क्रूस पर आपका न्याय पूरा हुआ और हमारे पाप का प्रायश्चित किया गया।
हम आपका धन्यवाद करते हैं उस सुसमाचार के लिए जो परमेश्वर के सच्चे पुत्र यीशु के द्वारा शांति का प्रचार करता है,
और उस भविष्यद्वाणी के वचन के लिए जो हमें अपने समय को परखने की दृष्टि देता है।

अपने बचे हुए लोगों के रूप में विश्वास से जीने में हमारी सहायता करें।
हमें हबक्कूक की तरह प्रार्थना में सच्चे और ईमानदार प्रश्न पूछना सिखाएँ,
और हमारे अतीत, वर्तमान और भविष्य के लिए हमें प्रकाशन प्रदान करें।
हमारी प्रार्थनाएँ धूप की नाईं आपकी सोने की वेदी तक ऊपर उठें।
भ्रष्ट अगुवों और बेबीलोन की दुष्ट व्यवस्था के विरुद्ध न्याय चुकाएँ।
दरिद्रता और उत्पीड़न की आत्माओं को तोड़ डालें,
और अपने लोगों की रक्षा करें, उनकी आवश्यकताएँ पूरी करें और उनका पालन-पोषण करें।

हे प्रभु, हम यहाँ उपस्थित हैं।
आपकी बाट जोहने, आपके मुख की खोज करने और शांत रहने के लिए हम अपने आप को समर्पित करते हैं।
आपके निश्चित न्याय पर भरोसा रखते हुए, हम बदला लेने का काम आप पर छोड़ते हैं,
और अपने पड़ोसियों से प्रेम करने और दूसरा गाल भी फेर देने का संकल्प लेते हैं।
इस अंत के समय में हम अपने आप को प्रार्थना में लगाए रखते हैं,
जब तक कि आप आगे बढ़कर न आएँ और हम पर आनंदित न हों।

हमारे धर्मी न्यायी और राजा, यीशु मसीह के नाम में,
सदा-सर्वदा सारी महिमा और स्तुति होती रहे।
आमीन।

आशीष

यहोवा जो भला है, संकट के समय में आपका शरणस्थान बने,
क्योंकि जो उस पर भरोसा रखते हैं, वह उन सभी की सुधि लेता है।
वह अपने राज्य के सुसमाचार के द्वारा आप पर शांति की घोषणा करे,
और जब तक उसका न्याय पूरा न हो जाए, तब तक आपको विश्वास से जीवित रखे। आमीन।[1]

---

[1] *नहूम 1:7, 15 पर आधारित।*

इस प्रार्थना का आधार वचन: नहूम 1:1; नहूम 1:2-15; नहूम 2:11-13; योना 4:11; हबक्कूक 1:1-4; हबक्कूक 2:4; सपन्याह 3:8-17; प्रकाशितवाक्य 8:3-5।

पास्टर हून किम के व्याख्यान के साथ, AI की सहायता से लिखी गई एक प्रार्थना। ये उनके अपने शब्द नहीं हैं। पूरी जाँच से पहले 11 नवंबर 2026 को साझा किया गया।

दोहराने के प्रश्न

समीक्षा प्रश्नोत्तरी: कैटलॉग की बुनियादी बातें: नहूम और हबक्कूक

प्रश्न

1. **बहुविकल्पीय:** नहूम 1:2 के अनुसार, अश्शूर के विरुद्ध परमेश्वर के क्रोध और प्रतिशोध का बाइबलीय मूल कारण क्या है?
2. A) अनियंत्रित ईश्वरीय क्रोध और मनमौजी झुंझलाहट
3. B) वाचा की जलन, जैसे एक पति अपनी दुल्हन की रक्षा करता है
4. C) अश्शूर की आर्थिक कर नीतियों का प्रतिशोध
5. D) बिना किसी पूर्व कानूनी साक्ष्य के मनमाना व्यवहार

1. **लघु उत्तरीय:** नीनवे की अंतिम घेराबंदी के दौरान उसकी रक्षात्मक जल-प्रणाली के संबंध में कौन सी नाटकीय ऐतिहासिक विडंबना घटी?

1. **बहुविकल्पीय:** नीनवे में योना के प्रचार और नहूम द्वारा विनाश के दैवी संदेश के बीच लगभग कितने वर्ष बीत गए थे?
2. A) 10 वर्ष
3. B) 40 वर्ष
4. C) 100 वर्ष
5. D) 300 वर्ष

1. **लघु उत्तरीय:** विषयवस्तु की दृष्टि से योना की पुस्तक का अंत नहूम की पुस्तक के अंत से किस प्रकार भिन्न है?

1. **बहुविकल्पीय:** प्रकाशितवाक्य 8:3–5 में, सिंहासन के सामने सोने की वेदी पर क्या चढ़ाया जाता है जिसके तुरंत बाद पृथ्वी पर गर्जन, बिजलियाँ और भूकंप आते हैं?
2. A) बैलों और बकरों का लहू
3. B) चौबीस प्राचीनों के मुकुट
4. C) परमेश्वर के सभी पवित्र लोगों की प्रार्थनाओं के साथ मिली हुई धूप
5. D) भविष्यद्वाणी के कार्यों की एक मुहरबंद पुस्तक

1. **लघु उत्तरीय:** यूनानी शब्द *euangelion* के प्राचीन ऐतिहासिक अर्थ की व्याख्या करें, जैसा कि वैचारिक रूप से नहूम 1:15 और मरकुस 1:1 में उपयोग किया गया है।

1. **बहुविकल्पीय:** नहूम ने अध्याय 2 और 3 में सजीव दृश्य रंगों (लाल वस्त्र, चमकते रथ) और श्रव्य प्रभावों (चाबुकों की फटकार, पहियों की खड़खड़ाहट) का उपयोग क्यों किया?
2. A) मंदिर के संगीत के लिए प्राचीन काव्यात्मक छंद की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए
3. B) भविष्यद्वाणी की कल्पना को जागृत करने और ईश्वरीय न्यायदण्ड के प्रति निश्चितता प्रदान करने के लिए
4. C) काल्पनिक नाटक से पाठकों का मनोरंजन करने के लिए
5. D) तकनीकी सैन्य इंजीनियरिंग विशिष्टताओं को दर्ज करने के लिए

1. **लघु उत्तरीय:** नहूम 2:11–13 में, नहूम ने नीनवे के साम्राज्यवादी घमंड का वर्णन करने के लिए किस शक्तिशाली पशु रूपक का उपयोग किया, और परमेश्वर ने इसे कैसे उलट दिया?

1. **बहुविकल्पीय:** पारंपरिक भविष्यद्वाणी संदेशों की तुलना में हबक्कूक भविष्यद्वक्ता की परमेश्वर के साथ बातचीत को क्या बात विशिष्ट बनाती है?
2. A) उसने परमेश्वर से बात करने से मना कर दिया और तर्शीश भाग गया
3. B) उसने दो चरणों वाले एक निष्कपट संवाद में भाग लिया, कठिन प्रश्न पूछे और संप्रभु प्रकाशन प्राप्त किया
4. C) उसने केवल प्रतीकात्मक नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भविष्यद्वाणियाँ दीं
5. D) उसने यहूदा को संबोधित किए बिना केवल गैर-यहूदी राजाओं को लिखा

1. **लघु उत्तरीय:** पास्टर किम के अनुसार, मत्ती 5:39 और बाइबलीय भविष्यद्वाणी के आलोक में विश्वासियों को व्यक्तिगत अपमान और अन्याय का सामना कैसे करना चाहिए?

उत्तर कुंजी

1. **B**, वाचा की जलन, जैसे एक पति अपनी दुल्हन की रक्षा करता है। (खंड: परमेश्वर की जलन और ईश्वरीय प्रतिशोध)
2. नीनवे की रक्षा के लिए बनाए गए जटिल जल मार्ग और खाइयाँ ही उसके विनाश का कारण बन गए, जब भारी बाढ़ के पानी ने नगर की दीवारों को तोड़ दिया। (खंड: अश्शूर का भू-राजनीतिक पतन / ऐतिहासिक संदर्भ)
3. **C**, लगभग 100 वर्ष। (खंड: योना और नहूम: दया और न्याय का संतुलन)
4. योना की पुस्तक का अंत नीनवे पर निरंतर अनुग्रह और दया के एक प्रश्न के साथ होता है (योना 4:11), जबकि नहूम का अंत नीनवे के असाध्य घाव और निरंतर क्रूरता पर अटल न्याय के एक प्रश्न के साथ होता है (नहूम 3:19)। (खंड: योना और नहूम की तुलना)
5. **C**, परमेश्वर के सभी पवित्र लोगों की प्रार्थनाओं के साथ मिली हुई धूप। (खंड: आत्मिक युद्ध में प्रार्थना की सामर्थ्य)
6. यह साम्राज्य भर में शुभ समाचार सुनाने के लिए भेजे गए शाही दूतों को संदर्भित करता है: किसी युद्ध की विजय, किसी अत्याचारी का पतन, या शांति लाने वाले नए राजा का सिंहासनारोहण। (खंड: काव्यात्मक

भविष्यद्वाणी और न्यायदण्ड का सुसमाचार)

7. **B**, भविष्यद्वाणी की कल्पना को जागृत करने और ईश्वरीय न्यायदण्ड के प्रति निश्चितता प्रदान करने के लिए। (खंड: काव्यात्मक भविष्यद्वाणी और न्यायदण्ड का सुसमाचार)
8. नीनवे का वर्णन एक भयंकर, हिंसक सिंहों की मांद के रूप में किया गया था; परमेश्वर ने "मैं तेरे विरुद्ध हूँ" घोषित करके, उनके शिकार को समाप्त करके, और उनके रथों को धुएँ में भस्म करके इस घमंड को उलट दिया। (खंड: काव्यात्मक भविष्यद्वाणी और न्यायदण्ड का सुसमाचार)
9. **B**, उसने दो चरणों वाले एक निष्कपट संवाद में भाग लिया, कठिन प्रश्न पूछे और संप्रभु प्रकाशन प्राप्त किया। (खंड: हबक्कूक का परिचय: भविष्यद्वाणी-संबंधी संवाद)
10. विश्वासी व्यक्तिगत बदला नहीं लेते; वे दूसरा गाल भी फेर देते हैं और प्रार्थना करते हैं, तथा अंतिम प्रतिशोध पूरी तरह से परमेश्वर के संप्रभु न्याय पर छोड़ देते हैं। (खंड: ईश्वरीय जलन और धर्मी प्रतिशोध)

तीन मिनट में

तीन मिनट में व्याख्यान

N.E.W. Church के पास्टर हून किम द्वारा सिखाए गए, नहूम अध्याय 1 पद 1 से, 'कैटलॉग की बुनियादी बातें: नहूम और हबक्कूक' शीर्षक वाले इस व्याख्यान में आपका स्वागत है। सातवीं शताब्दी ईसा पूर्व के भविष्यद्वक्ता मसीह से लगभग सात सौ वर्ष पहले, भारी अंतरराष्ट्रीय उथल-पुथल के समय में रहते थे, जब सांसारिक साम्राज्यों का उत्थान और पतन हो रहा था। आज, जब हम राष्ट्रों में अशांति देखते हैं, तो हम अपनी वास्तविकताओं को समझने और यह जानने के लिए कि परमेश्वर संसार में क्या कर रहे हैं, उनके भविष्यद्वाणी के लेखों को एक चश्मे के रूप में उपयोग करते हैं। नहूम से लगभग एक सौ वर्ष पहले, योना भविष्यद्वक्ता ने नीनवे में प्रचार किया, और परमेश्वर ने लगातार दया दिखाई क्योंकि उस नगर ने पश्चाताप किया था। परन्तु एक सौ वर्ष बाद, नीनवे घमंडी हो गया, उसने उत्तरी इस्राएल को नष्ट कर दिया, और फिर से अंतहीन क्रूरता पर उतर आया। तब परमेश्वर ने नीनवे के संपूर्ण विनाश की घोषणा करने के लिए नहूम को भेजा। यह दिखाता है कि परमेश्वर दयालु और पवित्र दोनों हैं। वह मनमौजी अन्यजाति मूर्तियों के समान नहीं हैं; वह प्रमाण और वाचा के प्रेम पर आधारित धार्मिक न्याय के साथ कार्य करते हैं। नहूम यहोवा का वर्णन जलन रखने वाले और बदला लेने वाले के रूप में करता है। जिस प्रकार एक पति अपनी पत्नी की रक्षा करता है जब उसे नुकसान पहुँचाया जाता है, उसी प्रकार परमेश्वर अपनी वाचा के लोगों की रक्षा करते हैं। इस्राएल के शत्रु परमेश्वर के शत्रु हैं। विश्वासी बदला अपने हाथों में नहीं लेते; इसके बजाय, हम दूसरा गाल फेरते हैं, धीरज से प्रतीक्षा करते हैं, और न्याय करने के लिए परमेश्वर पर भरोसा रखते हैं। नहूम अध्याय 1 पद 7 हमें याद दिलाता है कि यहोवा भला है, संकट के समय में गढ़ है, और अपने पर भरोसा रखने वालों की परवाह करता है। नहूम दृश्यों और ध्वनियों से भरी जीवंत कविता का उपयोग करता है, जैसे सरपट दौड़ते घोड़े, खड़खड़ाते पहिए, चमकते हुए रथ, और विनाशकारी बाढ़। हमारे दैनिक जीवन में, जब हम किसी सिनेमाघर में जाते हैं, तो दृश्य और ध्वनि प्रभाव कहानी को शक्तिशाली और वास्तविक महसूस कराते हैं। उसी प्रकार, नहूम इन जीवंत संवेदी विवरणों का उपयोग हमें यह पूरा आश्वासन देने के लिए करता है कि परमेश्वर का धर्मी न्याय निश्चित है। इसके अलावा, नहूम शुभ समाचार लाने वाले के पाँवों की बात करता है। प्राचीन काल में, एक बड़े युद्ध के बाद,

हरकारे यह घोषणा करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में जाते थे कि एक दुष्ट शासक पराजित हो गया है और एक नए राजा ने शांति स्थापित की है। कलीसिया के लिए, सच्चा सुसमाचार यह घोषणा करता है कि यीशु राज्य करते हैं और हर दमनकारी व्यवस्था पर परमेश्वर का न्याय प्रबल होगा। अंत में, हबक्कूक में, हम सीखते हैं कि भविष्यद्वाणी की प्रार्थना में परमेश्वर के साथ कैसे सहभागिता करें। भ्रम और उभरती सांसारिक शक्तियों के समय में, हबक्कूक ने अपने ईमानदार प्रश्न परमेश्वर के सामने रखे और ईश्वरीय प्रकाशन की प्रतीक्षा की। जब संसार में अशांति और अव्यवस्था महसूस होती है, तब भी परमेश्वर के बचे हुए लोग अपने ईमानदार प्रश्न उनके सामने ला सकते हैं और विश्वास से जी सकते हैं।

पवित्रशास्त्र के उद्धरण: इंडियन रिवाइज्ड वर्ज़न (IRV) हिंदी, कॉपीराइट © 2017, 2018, 2019 ब्रिज कनेक्टिविटी सॉल्यूशंस, क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरअलाइक 4.0 लाइसेंस (CC BY-SA 4.0) के अंतर्गत, eBible.org से। Scripture quotations: Indian Revised Version (IRV) Hindi, Copyright © 2017, 2018, 2019 by Bridge Connectivity Solutions, used under the Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 license (CC BY-SA 4.0), from eBible.org.